Roll No. ……..

BAMT–03/201

तालशास्त्र

कला में स्नातक (बी. ए. –10/12/16) संगीत—तबला

द्वितीय वर्ष, परीक्षा 2017

Time : 3 Hours **Max. Marks : 60**

Note : This paper is of **sixty (60)** marks containing **three (03)** sections A, B and C. Learners are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्न पत्र साठ (60) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

Section–A / खण्ड–क

(Long Answer Type Questions) / (दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

Note : Section 'A' contains four (04) long answer type questions of fifteen (15) marks each. Learners are required to answer *two* (02) questions only.

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Write about the changes in Indian music in medieval period after ancient period.

प्राचीनकाल के पश्चात् मध्यकाल में भारतीय संगीत में आये परिवर्तन पर प्रकाश डालिए।

2. Write about the life sketch of Pt. Ayodhya Prasad and Pt. Kanthe Maharaj and also write about their style of playing.
पं. अयोध्या प्रसाद एवं पं. कण्ठे महाराज का जीवन परिचय तथा वादन शैली पर प्रकाश डालिए।

3. Name any *ten* Prans of Tala and explain Grah, Jati, Kala and Prastar.
ताल के किन्हीं दस प्राणों के नाम लिखिए तथा ग्रह, जाति, कला तथा प्रस्तार की व्याख्या कीजिए।

4. Write about Poorab Gharana of Tabla and also give comparative study of their technique of playing.
पूरब के तबले के घरानों के विषय में लिखिए तथा इनकी वादन शैली (बाज) का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत कीजिए।

Section–B / खण्ड–ख

(Short Answer Type Questions) / (लघु उत्तरीय प्रश्न)

Note : Section 'B' contains eight (08) short answer type questions of five (05) marks each. Learners are required to answer *four* (04) questions only.

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Define Laya and Layakari with example.
लय एवं लयकारी की परिभाषा उदाहरण सहित दीजिए।

2. Compare the technique of playing of Delhi and Ajarada Gharana.
देहली एवं अजराड़ा घराने की वादन शैली का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत कीजिए।

3. Explain Yeti and Kriya.
   येति एवं क्रिया को समझाइए।

4. Write *one* Gata and *one* Nauhakka in the Jhaptaal.
   झपताल में एक गत एवं एक नोहक्का लिखिए।

5. Write *one* simple and *one* Chakkardar Paran in Sooltaal.
   सूलताल में एक साधारण तथा एक चक्करदार परन लिखिए।

6. Write Tigun and Chaugun of one cycle of Ada Chartaal.
   आड़ा चार ताल की एक आवृत्ति की तिगुन एवं चौगुन की लयकारी लिखिए।

7. Write about South Indian Taal system in brief.
   दक्षिण भारतीय ताल पद्धति के विषय में संक्षेप में लिखिए।

8. Write about the Playing technique of Punjab Gharana.
   पंजाब घराने की वादन शैली पर प्रकाश डालिए।

Section–C / खण्ड–ग

(Objective Type Questions) / (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

Note : Section 'C' contains ten (10) objective type questions of one (01) mark each. All the questions of this section are compulsory.

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

Fill in the blanks :
रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये :

1. Ustad Zakir Hussain belong to ..... gharana.
   उ. जाकिर हुसैन ..... घराने के हैं।

2. Delhi Baaj is also known as ..... Baaj.
   देहली बाज ..... बाज के नाम से प्रसिद्ध है।

3. Basic Taals in South Indian Taal system are ..... .
   दक्षिण भारतीय ताल पद्धति में ..... मूल तालें हैं।

4. Sign of Drut is ..... in South Indian taal system.
   दक्षिण भारतीय ताल पद्धति में द्रुत का चिन्ह ..... है।

5. Founder of Banaras Gharana was ..... .
   बनारस घराने के संस्थापक ..... थे।

Answer in 'Yes' *or* 'No'.

'हाँ' अथवा 'नहीं' में उत्तर दीजिए।

6. Pt. Nikil Banerjee was a famous Sarod Player.
   पं. निखिल बनर्जी एक प्रसिद्ध सरोद वादक थे।

7. Sooltaal is played on Pakhawaj.
   सूलताल पखावज पर बजाई जाती है।

8. Number of Jati are four.
   जाति की संख्या चार हैं।

9. Value of Laghu in Khand Jati is five.
   खण्ड जाति में लघु का मान पाँच है।

10. Pt. Swapan Chaudhary is a famous Pakhawaj player.
    पं. स्वप्न चौधरी एक प्रसिद्ध पखावज वादक हैं।